unacademy

Social Reforms & Various Revolt

Lakshya GS Batch - SSC CGL 2023 Mains

Deepak Sharma • Lesson 11 • Aug 16, 2023

unacademy

Social reforms

By Deepak Sharma

unacademy

Bengal

Raja Rammohan Roy and Brahmo Samaj
Debendranath Tagore and Tattvabodhini Sabha
Keshub Chandra Sen and Brahmo Samaj of India
Prarthana Samaj
Derozio and Young Bengal Movement
Ishwar Chandra Vidyasagar

All India

Ramakrishna Movement and Vivekananda
Dayananda Saraswati and Arya Samaj
Theosophical Movement

बंगाल

राजा राममोहन राय और ब्रह्म समाज
देबेंद्रनाथ टैगोर और तत्वबोधिनी सभा
केशुब चंद्र सेन और ब्रह्म समाज ऑफ इंडिया
प्रार्थना समाज
डेरोज़ियो और युवा बंगाल आंदोलन
ईश्वर चंद्र विद्यासागर

अखिल भारतीय

रामकृष्ण आंदोलन और विवेकानंद
दयानंद सरस्वती और आर्य समाज
थियोसोफिकल आंदोलन

unacademy

Western India

Paramhansa Mandalis
Jyotiba Phule and Satyashodhak Samaj
Gopal Walangkar
Gopalhari Deshmukh 'Lokahitawadi'
Servants of India Society

Southern India

Sri Narayana Dharma Paripalana Movement
Vokkaliga Sangha
Justice Movement
Self-respect Movement
Temple Entry Movement

पश्चिमी भारत
परमहंस मंडलियां
ज्योतिबा फुले और सत्यशोधक समाज
गोपाल वालंगकर
गोपालहरि देशमुख 'लोकहितवादी'
भारतीय समाज के सेवक
दक्षिण भारत
श्री नारायण धर्म परिपालन आंदोलन
वोक्कालिगा संघ
न्याय आंदोलन
आत्म-सम्मान आंदोलन
मंदिर प्रवेश आंदोलन

Among Muslims Wahabi/Walliullah Movement Ahmadiyya Movement
Syed Ahmed Khan and Aligarh Movement
Deoband Movement

- **Among Parsis**

Rahnumai Mazdayasnan Sabha

- **Among Sikhs**

Singh Sabha Movement
Akali Movement

मुसलमानों में वहाबी/वलीउल्लाह आंदोलन अहमदिया आंदोलन
सैयद अहमद खान और अलीगढ़ आंदोलन
देवबंद आंदोलन
- पारसियों के बीच

रहनुमाई मजदयसन सभा
- सिखों के बीच

सिंह सभा आंदोलन
अकाली आंदोलन

unacademy

Raja Rammohan Roy and Brahmo Samaj

Raja Rammohan Roy (1772–1833), often called the the father of Indian Renaissance and the maker of Modern India He wrote *Gift to Monotheists* (1809) and translated into Bengali the *Vedas* and the five *Upanishads*

In 1814, he set up the **Atmiya Sabha**

Raja Rammohan Roy founded the **Brahmo Sabha** in August 1828; it was later renamed **Brahmo Samaj**. Tarachand chakroborty was his first secretary

He only wanted to purify Hinduism of the evil practices

strong opposition from orthodox elements like Raja Radhakant Deb who organised the Dharma Sabha

Roy's death in 1833

It denounced polytheism and idol worship;

It discarded faith in divine *avataras* (incarnations);

राजा राममोहन राय और ब्रह्म समाज

राजा राममोहन राय (1772-1833), जिन्हें अक्सर भारतीय पुनर्जागरण का जनक और आधुनिक भारत का निर्माता कहा जाता है, उन्होंने गिफ्ट टू मोनोथिस्ट्स (1809) लिखा और बंगाली में वेदों और पांच उपनिषदों का अनुवाद किया।

1814 में, उन्होंने आत्मीय सभा की स्थापना की

राजा राममोहन राय ने अगस्त 1828 में ब्रह्म सभा की स्थापना की; बाद में इसका नाम बदलकर ब्रह्म समाज कर दिया गया। ताराचंद चक्रवर्ती उनके पहले सचिव थे

वह केवल बुरी प्रथाओं से हिंदू धर्म को शुद्ध करना चाहता था

धर्म सभा का आयोजन करने वाले राजा राधाकांत देब जैसे रूढ़िवादी तत्वों का कड़ा विरोध

1833 में रॉय की मृत्यु

इसने बहुदेववाद और मूर्ति पूजा की निंदा की;

इसने दिव्य अवतारों (अवतारों) में विश्वास को त्याग दिया;

unacademy

His efforts were rewarded by the Government Regulation in 1829, which declared the practice of *sati* a crime.
In 1825, he established a Vedanta college and started a newsapaper – Mirat ul akbar (Persian) and sambad kaumaudi (Bengali)
Akbar ii gave the title of Raja to ram mohan roy when he went to England

Maharishi Debendranath Tagore (1817–1905), father of Rabindranath Tagore
Tagore headed the **Tattvabodhini Sabha** (founded in 1839) which, along with its organ *Tattvabodhini Patrika* in Bengali
He Joined the Brahmo samaj in 1842

Keshab Chandra Sen and the Brahmo Samaj
The Brahmo Samaj experienced another phase of energy, when Keshab Chandra Sen (1838–84) was made the *acharya* by Debendranath Tagore soon after the former joined the Samaj in 1858
Keshab Chandra Sen was dismissed from the office of *acharya* in 1865.
Keshab and his followers founded the Brahmo Samaj of India in 1866, while Debendranath Tagore's Samaj came to be known as the Adi Brahmo Samaj.

उनके प्रयासों को 1829 में सरकारी विनियमन द्वारा पुरस्कृत किया गया, जिसने सती प्रथा को अपराध घोषित किया।
1825 में, उन्होंने एक वेदांत कॉलेज की स्थापना की और एक न्यूज़पेपर शुरू किया - मिरात उल अकबर (फारसी) और संबाद कौमुदी (बंगाली)
अकबर द्वितीय ने राम मोहन राय को राजा की उपाधि दी थी जब वह इंग्लैंड गए थे
- महर्षि देबेंद्रनाथ टैगोर (1817-1905), रवींद्रनाथ टैगोर के पिता
टैगोर ने तत्त्वबोधिनी सभा (1839 में स्थापित) का नेतृत्व किया, जो अपने अंग के साथ बंगाली में तत्वबोधिनी पत्रिका का नेतृत्व करता था
वह 1842 में ब्रह्म समाज में शामिल हो गए
केशव चंद्र सेन और ब्रह्म समाज
ब्रह्म समाज ने ऊर्जा के एक और चरण का अनुभव किया, जब केशव चंद्र सेन (1838-84) को देबेंद्रनाथ टैगोर द्वारा आचार्य बनाया गया था।
केशव चंद्र सेन को 1865 में आचार्य के पद से बर्खास्त कर दिया गया था।
केशव और उनके अनुयायियों ने 1866 में भारत के ब्रह्म समाज की स्थापना की, जबकि देबेंद्रनाथ टैगोर के समाज को आदि ब्रह्म समाज के रूप में जाना जाने लगा।

unacademy

In 1878, Keshab's inexplicable act of getting his 13- year-old daughter married to the minor Hindu Maharaja of Cooch-Behar

His Jounal – NEW Dispensation

After 1878, the disgusted followers of Keshab set up a new organisation, the **Sadharan Brahmo Samaj**. The Sadharan Brahmo Samaj was started by Ananda Mohan Bose, Sib Chandra Deb, and Umeshchandra Dutta.

1878 में, केशब ने अपनी 13 वर्षीय बेटी की शादी कूच-बिहार के नाबालिग हिंदू महाराजा से करने का अकथनीय कार्य किया
उनकी जौनल - नई व्यवस्था
1878 के बाद, केशब के घृणित अनुयायियों ने एक नया संगठन, साधारण ब्रह्म समाज की स्थापना की। साधारण ब्रह्म समाज की शुरुआत आनंद मोहन बोस, सिब चंद्र देब और उमेशचंद्र दत्ता ने की थी।

unacademy

Prarthana Samaj

In 1867, Keshab Chandra Sen helped Atmaram Pandurang found the Prarthana Samaj in Bombay. Mahadeo Govind Ranade (1842–1901), joined the samaj in 1870

There was a four-point social agenda also: (i) disapproval of caste system; (ii) women's education; (iii) widow remarriage; and (iv) raising the age of marriage for both males and females.

unacademy

प्रार्थना समाज

1867 में, केशव चंद्र सेन ने आत्माराम पांडुरंग को बॉम्बे में प्रार्थना समाज खोजने में मदद की। महादेव गोविंद रानाडे (1842-1901), 1870 में समाज में शामिल हुए

एक चार-सूत्री सामाजिक एजेंडा भी था: (i) जाति व्यवस्था की अस्वीकृति; (ii) महिला शिक्षा; (iii) विधवा पुनर्विवाह; और (iv) पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए विवाह की आयु बढ़ाना।

unacademy

Young Bengal Movement and Henry Vivian Derozio

During the late 1820s and early 1830s, there emerged a radical, intellectual trend among the youth in Bengal, which came to be known as the 'Young Bengal Movement'

A young Anglo-Indian, Henry Vivian Derozio (1809–31), who taught at the Hindu College from 1826 to 1831, was the leader and inspirer of this progressive trend.

Derozio was removed from the Hindu College in 1831 because of his radicalism

His Famous Poem – To India –My Native Land

Died IN 1831 due to cholera

यंग बंगाल मूवमेंट और हेनरी विवियन डेरोज़ियो

1820 के दशक के अंत और 1830 के दशक की शुरुआत में, बंगाल में युवाओं के बीच एक कट्टरपंथी, बौद्धिक प्रवृत्ति उभरी, जिसे 'युवा बंगाल आंदोलन' के रूप में जाना जाने लगा

एक युवा एंग्लो-इंडियन, हेनरी विवियन डेरोज़ियो (1809-31), जिन्होंने 1826 से 1831 तक हिंदू कॉलेज में पढ़ाया, इस प्रगतिशील प्रवृत्ति के नेता और प्रेरक थे।

डेरोज़ियो को उनके कट्टरवाद के कारण 1831 में हिंदू कॉलेज से हटा दिया गया था

उनकी प्रसिद्ध कविता – भारत के लिए - मेरी मूल भूमि

हैजा के कारण 1831 में मृत्यु हो गई

unacademy

Ishwar Chandra Vidyasagar(Daya sagar)

He Received a title of VIDHYSAGAR from Sanskrit college .In 1850, he became the principal of Sanskrit College. He introduced Western thought in Sanskrit College to break the self-imposed isolation of Sanskritic learning.
vidyasagar started a movement in support of widow remarriage which resulted in legalisation of widow remarriage.
secretary of Bethune School (established in 1849) exclusively for girls , he was one of the pioneers of higher education for women in India.

ईश्वर चंद्र विद्यासागर (दया सागर)

उन्हें संस्कृत महाविद्यालय से विद्यासागर की उपाधि प्राप्त हुई। 1850 में, वह संस्कृत कॉलेज के प्रिंसिपल बने। उन्होंने संस्कृत शिक्षा के स्व-थोपे गए अलगाव को तोड़ने के लिए संस्कृत कॉलेज में पश्चिमी विचारों की शुरुआत की।

विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह के समर्थन में एक आंदोलन शुरू किया जिसके परिणामस्वरूप विधवा पुनर्विवाह को वैध बनाया गया।

बेथ्यून स्कूल (1849 में स्थापित) के सचिव विशेष रूप से लड़कियों के लिए, वह भारत में महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के अग्रदूतों में से एक थे।

unacademy

Jyotirao Phule and Savitribai Phule

Jyotirao or Jyotiba Phule (1827–90), born in Satara, Maharashtra, belonged to the mali (gardener) community and organised a powerful movement against upper caste domination and brahminical supremacy. Phule founded the Satyashodhak Samaj (Truth Seekers' Society) in 1873, with the leadership of the samaj coming from the backward classes, malis, telis, kunbis, saris, and dhangars. The main aims of the movement were (i) social service, and (ii) spread of education among women and lower caste people.

Sarvajanik Satyadharma and Gulamgiri, became sources of inspiration for the common masses
Phule used the symbol of Rajah Bali as opposed to the brahmins' symbol of Rama
Jyotiba Phule was given the title of Mahatma in 1888 by another Maharashtrian social reformer, Vithalrao Krishnaji Vandekar.
Savitribai and her husband established two educational trusts, namely the Native Female School, Pune, she set up a home called Balhatya Pratibandhak Griha (home to prevent infanticide) in 1863
Savitribai wrote poetry, and two of her collections are Kavyaphule and Bavankashi Subodh Ratnakar.

ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले

महाराष्ट्र के सतारा में जन्मे ज्योतिराव या ज्योतिबा फुले (1827-90) माली (माली) समुदाय से थे और उन्होंने उच्च जाति के वर्चस्व और ब्राह्मणवादी वर्चस्व के खिलाफ एक शक्तिशाली आंदोलन का आयोजन किया। फुले ने 1873 में सत्यशोधक समाज (सत्य साधक समाज) की स्थापना की, जिसमें समाज का नेतृत्व पिछड़े वर्गों, मालियों, तेलियों, कुनबी, साड़ी और धनगरों से आया था। आंदोलन के मुख्य उद्देश्य (i) समाज सेवा, और (ii) महिलाओं और निचली जाति के लोगों के बीच शिक्षा का प्रसार था।

सार्वजनिक सत्यधर्म और गुलामगिरी, आम जनता के लिए प्रेरणा के स्रोत बन गए

फुले ने ब्राह्मणों के राम के प्रतीक के विपरीत राजा बाली के प्रतीक का इस्तेमाल किया

ज्योतिबा फुले को 1888 में एक अन्य महाराष्ट्रीयन समाज सुधारक विट्ठलराव कृष्णजी वंदेकर द्वारा महात्मा की उपाधि दी गई थी।

सावित्रीबाई और उनके पति ने दो शैक्षिक ट्रस्टों की स्थापना की, अर्थात् नेटिव फीमेल स्कूल, पुणे, उन्होंने 1863 में बल्हार्य प्रतिबन्धक गृह (शिशु हत्या को रोकने के लिए घर) नामक एक घर की स्थापना की

सावित्रीबाई ने कविता लिखी, और उनके दो संग्रह काव्याफुले और बावनकाशी सुबोध रत्नाकर हैं।

unacademy

The Servants of India Society

Gopal Krishna Gokhale (1866–1915), a liberal leader of the Indian National Congress, founded the Servants of India Society in 1905 with the help of M.G. Ranade. The aim of the society was to train national missionaries for the service of India; to promote, by all constitutional means, the true interests of the Indian people In 1911, the *Hitavada* began to be published to project the views of the society. After Gokhale's death (1915), Srinivasa Shastri took over as president.

Social Service League

A follower of Gokhale, Narayan Malhar Joshi founded the Social Service League in Bombay

द सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी

गोपाल कृष्ण गोखले (1866-1915), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक उदारवादी नेता ने 1905 में एमजी रानाडे की मदद से सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की। समाज का उद्देश्य भारत की सेवा के लिए राष्ट्रीय मिशनरियों को प्रशिक्षित करना था; सभी संवैधानिक साधनों द्वारा, भारतीय लोगों के सच्चे हितों को बढ़ावा देना

1911 में, समाज के विचारों को पेश करने के लिए हितवाद प्रकाशित किया जाने लगा।

गोखले की मृत्यु (1915) के बाद, श्रीनिवास शास्त्री ने अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला।

समाज सेवा लीग

गोखले के अनुयायी, नारायण मल्हार जोशी ने बॉम्बे में समाज सेवा लीग की स्थापना की

unacademy

The Ramakrishna Movement and Swami Vivekananda

The teachings of **Ramakrishna Paramahamsa** (1836– 86), a priest at the Kali temple in Dakshineshwar, on the outskirts of Calcutta
Ramakrishna was married to Saradmani Mukherjee, later known as Sarada Devi.
Swami Vivekananda
Narendranath Datta (1862–1902), who later came to be known as **Swami Vivekananda,**
At the **Parliament of Religions held at Chicago in 1893**, Swami Vivekananda made a great impression on people by his learned interpretations.In America he meet prof max muller and margarat noble (sister Nivedita) devoted her life for women in India

Swami Vivekananda after Ramakrishna's death when he founded the Ramakrishna Mission in 1897.
The headquarters of the Ramakrishna Math and Mission are at Belur near Calcutta
Famous work –Raja yoga ,karma yoga, bhakti yoga and jnyana yoga .

रामकृष्ण आंदोलन और स्वामी विवेकानंद

रामकृष्ण परमहंस (1836-86), कलकत्ता के बाहरी इलाके में दक्षिणेश्वर में काली मंदिर के पुजारी की शिक्षाएं

रामकृष्ण का विवाह शारदामणि मुखर्जी से हुआ था, जिन्हें बाद में शारदा देवी के नाम से जाना जाता था।

स्वामी विवेकानंद

नरेंद्रनाथ दत्त (1862-1902), जिन्हें बाद में स्वामी विवेकानंद के नाम से जाना जाने लगा,

1893 में शिकागो में आयोजित धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने अपनी सीखी व्याख्याओं से लोगों पर काफी छाप छोड़ी। अमेरिका में वह प्रोफेसर मैक्स मुलर से मिलते हैं और मार्गरात रईस (बहन निवेदिता) ने भारत में महिलाओं के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया

रामकृष्ण की मृत्यु के बाद स्वामी विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।

रामकृष्ण मठ और मिशन का मुख्यालय कलकत्ता के पास बेलूर में है

प्रसिद्ध कार्य - राजयोग, कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग।

unacademy

Dayananda Saraswati and Arya Samaj

Its founder, Dayananda Saraswati or Mulshankar (1824–83) was born in the old Morvi state in Gujarat in a brahmin family.
The first Arya Samaj unit was formally set up by him at Bombay in 1875, and later the headquarters of the Samaj were established at Lahore
Dayananda's views were published in his famous work, Satyarth Prakash
Dayananda's slogan of 'Back to the Vedas' was a call for a revival of Vedic learning and Vedic purity of religion
Dayananda had received education on Vedanta from a blind teacher named Swami Virajananda in Mathura
The Arya Samaj fixed the minimum marriageable age at 25 years for boys and 16 years for girls.
he death of Dayananda in 1883
The Dayananda Anglo- Vedic (D.A.V.) College was established in 1886 at Lahore.
Mahatma (later Gurukul) Party led by Guru Datta Vidyarthi and Lala Munshi Ram (who later came to be known as Swami Shraddhanand)

दयानंद सरस्वती और आर्य समाज

इसके संस्थापक दयानंद सरस्वती या मूलशंकर (1824-83) का जन्म गुजरात के पुराने मोरवी राज्य में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।

पहली आर्य समाज इकाई औपचारिक रूप से 1875 में बॉम्बे में उनके द्वारा स्थापित की गई थी, और बाद में समाज का मुख्यालय लाहौर में स्थापित किया गया था

दयानंद के विचार उनके प्रसिद्ध कार्य सत्यार्थ प्रकाश में प्रकाशित हुए थे

दयानंद का 'वेदों की ओर वापस' का नारा वैदिक शिक्षा और धर्म की वैदिक शुद्धता के पुनरुद्धार का आह्वान था

दयानंद ने मथुरा में स्वामी विराजानंद नामक एक अंधे शिक्षक से वेदांत पर शिक्षा प्राप्त की थी

आर्य समाज ने लड़कों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य आयु 25 वर्ष और लड़कियों के लिए 16 वर्ष निर्धारित की।

1883 में दयानंद की मृत्यु हो गई

दयानंद एंग्लो-वैदिक (डी.ए.वी.) कॉलेज की स्थापना 1886 में लाहौर में हुई थी।

गुरु दत्ता विद्यार्थी और लाला मुंशी राम के नेतृत्व में महात्मा (बाद में गुरुकुल) पार्टी (जिन्हें बाद में स्वामी श्रद्धानंद के नाम से जाना जाने लगा)

The Arya Samaj split in 1893 over these issues.
The College Party retained control over the D.A.V. School and College, while the Arya Pratinidhi Sabha, Punjab, and a majority of the local Arya Samaj branches were taken over by the Mahatma Party. Swami Shraddhanand opened the Gurukul in 1900 at Gujaranwala (in West Punjab, now in Pakistan). In 1902, the Gurukul was moved to Kangri near Haridwar, hence the name, Gurukul Kangri.

In its zeal to protect the Hindu society from the onslaught of Christianity and Islam, the Samaj started the *shuddhi* (purification) movement to reconvert to the Hindu fold the converts to Christianity and Islam

Motto – taken from vedas – krinvanto vishwamaryan
He said – India is only for the Indians
He is also known as Martin LUTHER OF India
Swaraj was First Used by Swami Dayanand

इन मुद्दों पर 1893 में आर्य समाज विभाजित हो गया।
कॉलेज पार्टी ने डीएवी स्कूल और कॉलेज पर नियंत्रण बनाए रखा, जबकि आर्य प्रतिनिधि सभा, पंजाब और अधिकांश स्थानीय आर्य समाज शाखाओं को महात्मा पार्टी द्वारा ले लिया गया।
स्वामी श्रद्धानंद ने 1900 में गुजरांवाला (पश्चिम पंजाब में, अब पाकिस्तान में) में गुरुकुल खोला।
1902 में, गुरुकुल को हरिद्वार के पास कांगड़ी में स्थानांतरित कर दिया गया था, इसलिए इसका नाम गुरुकुल कांगड़ी रखा गया।
हिंदू समाज को ईसाई धर्म और इस्लाम के हमले से बचाने के अपने उत्साह में, समाज ने ईसाई धर्म और इस्लाम में परिवर्तित लोगों को हिंदू धर्म में परिवर्तित करने के लिए शुद्धि (शुद्धिकरण) आंदोलन शुरू किया
आदर्श वाक्य - वेदों से लिया गया – krinvanto विश्वमारियन
उन्होंने कहा- भारत सिर्फ भारतीयों के लिए है
उन्हें भारत के मार्टिन लूथर के रूप में भी जाना जाता है
स्वराज का इस्तेमाल सबसे पहले स्वामी दयानंद ने किया था

unacademy

Seva Sadan

A Parsi social reformer, Behramji M. Malabari (1853–1912), founded the Seva Sadan in 1908 along with a friend, Diwan Dayaram Gidumal.
Behramji Malabari acquired and edited the *Indian Spectator*

Dev Samaj

Founded in 1887 at Lahore by Shiv Narayan Agnihotri
Its teachings were compiled in a book, *Deva Shastra.* Agnihotri spoke against child marriage.

Dharma Sabha

Radhakant Deb founded this sabha in 1830. An orthodox society, it stood for the preservation of the *status quo* in socio-religious matters, opposing even the abolition of sati.

सेवा सदन

एक पारसी समाज सुधारक, बेहरामजी एम मालाबारी (1853-1912) ने 1908 में एक दोस्त, दीवान दयाराम गिदुमल के साथ सेवा सदन की स्थापना की।

बेहरामजी मालाबारी ने इंडियन स्पेक्टेटर का अधिग्रहण और संपादन किया

देव समाज

1887 में लाहौर में शिव नारायण अग्निहोत्री द्वारा स्थापित

इसकी शिक्षाओं को देव शास्त्र नामक पुस्तक में संकलित किया गया था। अग्निहोत्री ने बाल विवाह के खिलाफ बोला।

धर्म सभा

राधाकांत देब ने 1830 में इस सभा की स्थापना की थी। एक रूढ़िवादी समाज, यह सामाजिक-धार्मिक मामलों में यथास्थिति के संरक्षण के लिए खड़ा था, यहां तक कि सती के उन्मूलन का भी विरोध करता था।

unacademy

Radhaswami Movement

Tulsi Ram, a banker from Agra, also known as Shiv Dayal Saheb, founded this movement in 1861.
They consider all religions to be true. While the sect has no belief in temples, shrines, and sacred places,

unacademy

राधास्वामी आंदोलन

आगरा के एक बैंकर तुलसी राम, जिन्हें शिव दयाल साहेब के नाम से भी जाना जाता है, ने 1861 में इस आंदोलन की स्थापना की थी।

वे सभी धर्मों को सत्य मानते हैं। जबकि संप्रदाय का मंदिरों, मंदिरों और पवित्र स्थानों में कोई विश्वास नहीं है,

unacademy

The Theosophical Movement"

Madame H.P. Blavatsky (1831– 91) and Colonel M.S. Olcott, who were inspired by Indian thought and culture, founded the Theosophical Society in New York City, United States in 1875. In 1882, they shifted their headquarters to Adyar
In India, the movement became somewhat popular with the election of Annie Besant (1847–1933) as its president after the death of Olcott in 1907
Annie Besant had come to India in 1893. She laid the foundation of the Central Hindu College in Benaras in 1898 which later developed into Beneras Hindu university by Madan mohan Malviya in 1916

थियोसोफिकल आंदोलन'

मैडम एचपी ब्लावाट्स्की (1831-91) और कर्नल एमएस ओल्कोट, जो भारतीय विचार और संस्कृति से प्रेरित थे, ने 1875 में न्यूयॉर्क शहर, संयुक्त राज्य अमेरिका में थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना की। 1882 में, उन्होंने अपना मुख्यालय अडयार में स्थानांतरित कर दिया भारत में, 1907 में ओल्कोट की मृत्यु के बाद एनी बेसेंट (1847-1933) के अध्यक्ष के रूप में चुनाव के साथ आंदोलन कुछ हद तक लोकप्रिय हो गया

एनी बेसेंट 1893 में भारत आई थीं। उन्होंने 1898 में बनारस में सेंट्रल हिंदू कॉलेज की नींव रखी जो बाद में 1916 में मदन मोहन मालवीय द्वारा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ

unacademy

Sikh Reform Movements

The **Singh Sabha Movement** was founded at Amritsar in 1873 with a two-fold objective: (i) to make available modern western education to the Sikhs, and (ii) to counter the proselytising activities of Christian missionaries as well as the Brahmo Samajists, Arya Samajists, and Muslim maulvis.

The **Akali Movement** (also known as Gurudwara Reform Movement)

It aimed at liberating the Sikh gurudwaras from the control of corrupt Udasi mahants passed the Sikh Gurudwaras Act in 1922 (amended in 1925) which gave the control of gurudwaras to the Sikh masses to be administered through Shiromani Gurudwara Prabandhak Committee (SGPC) as the apex body.

सिख सुधार आंदोलन

सिंह सभा आंदोलन की स्थापना 1873 में अमृतसर में दो-तरफा उद्देश्य के साथ की गई थी: (i) सिखों को आधुनिक पश्चिमी शिक्षा उपलब्ध कराना, और (ii) ईसाई मिशनरियों के साथ-साथ ब्रह्म समाजवादियों, आर्य समाजवादियों और मुस्लिम मौलवियों की धर्मपरिवर्तन गतिविधियों का मुकाबला करना।

अकाली आंदोलन (गुरुद्वारा सुधार आंदोलन के रूप में भी जाना जाता है)

इसका उद्देश्य सिख गुरुद्वारों को भ्रष्ट उदासी महंतों के नियंत्रण से मुक्त करना था

1922 में सिख गुरुद्वारा अधिनियम पारित किया (1925 में संशोधित) जिसने शीर्ष निकाय के रूप में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) के माध्यम से प्रशासित होने वाले गुरुद्वारों का नियंत्रण सिख जनता को दिया।

unacademy

Nirankari Movement

•**Baba Dayal Das (1783-1855)** founded this movement of purification and return.

•In the 1840s, he advocated for the restoration of Sikhism to its roots, emphasizing the worship of one God and **nirankar (formless).**

•Such an approach entailed the rejection of idolatry as well as the prohibition of eating meat, drinking liquor, lying, cheating, and other vices.

•It emphasized Guru Nanak and Sikhism prior to the establishment of Khalsa by Guru Gobind Singh at Anandpur, which distinguished them from the Namdaris.

Namdhari Movement (kuka movement)

•**Baba Ram Singh (1816-1885)** founded it in **1857** after becoming a disciple of **Balak Singh** of the **Kuka movement in 1841**.

•The movement was founded on a set of rituals modeled after **Guru Gobind Singh's founding of the Khalsa**, with the requirement of wearing the five symbols but carrying a stick instead of a sword.The followers of the movement were required to abandon their worship of gods, idols, tombs, trees, snakes, and so on, as well as to refrain from drinking, stealing, falsehood, slandering, backbiting, and so on.Furthermore, because **cattle protection was important**, beef consumption was strictly prohibited.

निरंकारी आंदोलन

बाबा दयाल दास (1783-1855) ने शुद्धिकरण और वापसी के इस आंदोलन की स्थापना की।

1840 के दशक में, उन्होंने एक ईश्वर और निरंकार (निराकार) की पूजा पर जोर देते हुए सिख धर्म को उसकी जड़ों तक बहाल करने की वकालत की।

इस तरह के दृष्टिकोण में मूर्तिपूजा की अस्वीकृति के साथ-साथ मांस खाने, शराब पीने, झूठ बोलने, धोखा देने और अन्य दोषों पर प्रतिबंध शामिल था।

इसने आनंदपुर में गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा की स्थापना से पहले गुरु नानक और सिख धर्म पर जोर दिया, जिसने उन्हें नामदारियों से अलग किया।

नामधारी आंदोलन (कूका आंदोलन)

बाबा राम सिंह (1816-1885) ने 1841 में कूका आंदोलन के बालक सिंह के शिष्य बनने के बाद 1857 में इसकी स्थापना की।

इस आंदोलन की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह के खालसा की स्थापना के बाद किए गए अनुष्ठानों के एक सेट पर की गई थी, जिसमें पांच प्रतीकों को पहनने की आवश्यकता थी, लेकिन तलवार के बजाय एक छड़ी ले जाने की आवश्यकता थी। आंदोलन के अनुयायियों को देवताओं, मूर्तियों, कब्रों, पेड़ों, सांपों आदि की पूजा को त्यागने की आवश्यकता थी, साथ ही पीने, चोरी करने, झूठ, निंदा, पीठ काटने आदि से बचने की आवश्यकता थी। इसके अलावा, क्योंकि मवेशी संरक्षण महत्वपूर्ण था, गोमांस की खपत सख्ती से प्रतिबंधित थी।

unacademy

Parsi Reform Movements

The Rahnumai Mazdayasnan Sabha (Religious Reform Association) was founded in 1851 by a group of English- educated Parsis for the "regeneration of the social conditions of the Parsis and the restoration of the Zoroastrian religion to its pristine purity

In the social sphere, attempts were made to uplift the status of Parsi women through removal of the *purdah* system

पारसी सुधार आंदोलन

रहनुमाई मजदयासन सभा (धार्मिक सुधार संघ) की स्थापना 1851 में अंग्रेजी शिक्षित पारसियों के एक समूह द्वारा "पारसियों की सामाजिक स्थितियों के उत्थान और पारसी धर्म की प्राचीन शुद्धता की बहाली" के लिए की गई थी

सामाजिक क्षेत्र में, पर्दा प्रथा को हटाने के माध्यम से पारसी महिलाओं की स्थिति को ऊपर उठाने का प्रयास किया गया था

unacademy

Vokkaliga Sangha

The Vokkaliga Sangha in Mysore launched an anti-brahmin movement in 1905.

Justice Movement

This movement in Madras Presidency was started by C.N. Mudaliar, T.M. Nair, and P. Tyagaraja

In 1917, Madras Presidency Association was formed which demanded separate representation for the lower castes in the legislature.

Self-Respect Movement

This movement was started by E.V. Ramaswamy Naicker, a Balija Naidu, in the mid-1920s

वोक्कालिगा संघ

मैसूर में वोक्कालिगा संघ ने 1905 में ब्राह्मण विरोधी आंदोलन शुरू किया।

न्याय आंदोलन

मद्रास प्रेसीडेंसी में यह आंदोलन सीएन मुदलियार, टी. एम. नायर और पी. त्यागराज द्वारा शुरू किया गया था

1917 में, मद्रास प्रेसीडेंसी एसोसिएशन का गठन किया गया था जिसने विधायिका में निचली जातियों के लिए अलग प्रतिनिधित्व की मांग की थी।

आत्म-सम्मान आंदोलन

यह आंदोलन 1920 के दशक के मध्य में बालिजा नायडू के ई. वी. रामास्वामी नायकर द्वारा शुरू किया गया था

unacademy

Indian Social Conference

Founded by M.G. Ranade and Raghunath Rao, the Indian Social Conference met annually from its first session in Madras in 1887

भारतीय सामाजिक सम्मेलन

एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव द्वारा स्थापित, भारतीय सामाजिक सम्मेलन 1887 में मद्रास में अपने पहले सत्र से सालाना मिलता था

unacademy

Wahabi Movement

•It was also known as the **'Walliullah Movement,'** which began in response to western influences and was inspired by the teachings of **Shah Walliullah**, considered the **first Indian Muslim leader**.

•The entire movement revolved around Islam's legacy — **"Quran and Hadis."**

•The Wahabi movement sought to purify Islam and return to the simplicity of religion.

Ahmadiyya Movement

•**Mirza Gulam Ahmed** founded this movement in **1889** to spread western education among Indian Muslims.

•It was founded as a defender of Islam against the polemics of the Arya Samaj and Christian missionaries.

•In 1889, he returned to earth, claiming to be **Masih and Mahdi**, as well as an incarnation of the Hindu god Krishna and Jesus.Ghulam Ahmad was heavily influenced by western liberalism, theosophy, and Hindu religious reform movements.

•The movement promoted Western liberal education among Indian Muslims by establishing a network of schools and colleges.

वहाबी आंदोलन

इसे 'वलीउल्ला आंदोलन' के रूप में भी जाना जाता था, जो पश्चिमी प्रभावों के जवाब में शुरू हुआ और शाह वलीउल्लाह की शिक्षाओं से प्रेरित था, जिसे पहले भारतीय मुस्लिम नेता माना जाता था।

पूरा आंदोलन इस्लाम की विरासत के इर्द-गिर्द घूमता था – "कुरान और हदीस।

वहाबी आंदोलन ने इस्लाम को शुद्ध करने और धर्म की सादगी की ओर लौटने की मांग की।

अहमदिया आंदोलन

मिर्जा गुलाम अहमद ने भारतीय मुसलमानों के बीच पश्चिमी शिक्षा के प्रसार के लिए 1889 में इस आंदोलन की स्थापना की थी।

यह आर्य समाज और ईसाई मिशनरियों के वाद-विवाद के खिलाफ इस्लाम के रक्षक के रूप में स्थापित किया गया था।

1889 में, वह मसीह और महदी होने का दावा करते हुए पृथ्वी पर लौट आए, साथ ही हिंदू देवता कृष्ण और यीशु के अवतार भी थे।

आंदोलन ने स्कूलों और कॉलेजों का एक नेटवर्क स्थापित करके भारतीय मुसलमानों के बीच पश्चिमी उदार शिक्षा को बढ़ावा दिया।

unacademy

Deoband Movement

•The Deoband Movement was organized in 1866 by Moh Qasim nanotavi and rashid ahmed Gandhi

It was a revivalist movement with two goals:

•to spread the **pure teachings of the Quran and Hadis** among Muslims, and

•to keep the **spirit of jihad** against foreign rulers alive.

•**Mahmud-ul-Hasan (1851-1920),** the new Deoband leader, sought to instill political and intellectual content in the school's religious ideas

Faraizi Movement

The movement, also called the Fara'idi Movement because of its emphasis on the Islamic pillars of faith, was founded by Haji Shariatullah in 1819. Under the leadership of Haji's son, Dudu Mian, the movement became revolutionary from 1840 onwards.

unacademy

देवबंद आंदोलन

देवबंद आंदोलन का आयोजन 1866 में मोह कासिम नानोटवी और राशिद अहमद गांधी द्वारा किया गया था

यह दो लक्ष्यों के साथ एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था:

मुसलमानों के बीच कुरान और हदीस की शुद्ध शिक्षाओं का प्रसार करना, और

विदेशी शासकों के खिलाफ जिहाद की भावना को जीवित रखने के लिए।

महमूद-उल-हसन (1851-1920), नए देवबंद नेता ने स्कूल के धार्मिक विचारों में राजनीतिक और बौद्धिक सामग्री पैदा करने की मांग की

फरैजी आंदोलन

आस्था के इस्लामी स्तंभों पर जोर देने के कारण इस आंदोलन को फरादी आंदोलन भी कहा जाता है, जिसकी स्थापना 1819 में हाजी शरीयतुल्लाह ने की थी। हाजी के बेटे, दूदू मियां के नेतृत्व में, आंदोलन 1840 के बाद से क्रांतिकारी बन गया।

unacademy

The Rahnumai Mazdayasnan Sabha

The Rahnumai Mazdayasnan Sabha (Religious Reform Association) was founded in 1851 by a group of English- educated Parsis for the "regeneration of the social conditions of the Parsis and the restoration of the Zoroastrian religion to its pristine purity". The movement had Naoroji Furdonji, Dadabhai Naoroji, K.R. Cama, and S.S. Bengalee as its leaders. The message of reform was spread by the newspaper *Rast Goftar*

रहनुमाई मजदयसनन सभा

रहनुमाई मजदयासन सभा (धार्मिक सुधार संघ) की स्थापना 1851 में अंग्रेजी-शिक्षित पारसियों के एक समूह द्वारा "पारसियों की सामाजिक स्थितियों के उत्थान और पारसी धर्म की प्राचीन शुद्धता की बहाली" के लिए की गई थी। इस आंदोलन के नेता नौरोजी फुरदोंजी, दादाभाई नौरोजी, केआर कामा और एसएस बंगाली थे। सुधार का संदेश अखबार रास्त गोफ्तार ने फैलाया था

Who was the leading envoy of the renaissance movement in India?

(a) Devendranath Tagore
(b) Keshav Chandra Sen
(c) Iswar Chandra Vidyasagar
(d) Ram Mohan Roy

पुनर्जागरण के प्रमुख दूत कौन थे भारत में आंदोलन?

(क) देवेन्द्रनाथ टैगोर
(ख) केशव चन्द्र सेन
(ग) ईश्वर चंद्र विद्यासागर
(घ) राम मोहन राय

Raja Rammohan Roy established Brahma Samaj in

(a) 1816 A.D.

(b) 1820 A.D.

(c) 1828 A.D.

(d) 1830 A.D

राजा राममोहन राय ने कब ब्रह्मा समाज की स्थापना की थी?

(क) 1816 ई. (ख) 1820 ई.

(ग) 1828 ई. (घ) 1830 ई.

Who gave Ram Mohan Roy the title of 'Raja'?

(a) Lord William Bentinck

(b) Akbar-II

(c) The followers of Brahmo Samaj

(d) Intellectuals who opposed Sati Practice

राम मोहन राय को 'राजा' की उपाधि किसने दी?

(क) लॉर्ड विलियम बेंटिक

(ख) अकबर-II

(ग) ब्रह्म समाज के अनुयायी

(d) सती प्रथा का विरोध करने वाले बुद्धिजीवी

The Samadhi of Raja Rammohan Roy is in :

(a) Kolkata

(c) Bristol, England

(b) Patna

(d) Canada

राजा राममोहन राय की समाधि कहाँ है?

(क) कोलकाता

(ग) ब्रिस्टल, इंग्लैंड

(ब) पटना

(घ) कनाडा

unacademy

Who founded the Adi Brahmasamaj?

(a) Devendranath Tagore
(b) Keshav Chandra Sen
(c) Raja Ram Mohan Roy
(d) Ravindranath Tagore

आदि ब्रह्मसमाज की स्थापना किसने की थी?

(क) देवेन्द्रनाथ टैगोर
(ख) केशव चन्द्र सेन
(ग) राजा राम मोहन राय
(घ) रवीन्द्रनाथ टैगोर

unacademy

Which of the following statements is/are correct regarding Brahmo Samaj?

1. It opposed idolatry.
2. It denied the need for a priestly class for interpreting the religious texts.
3. It popularized the doctrine that the Vedas are infallible.

Select the correct answer using the code given below :

(a) Only 1
(b) Only 3
©1 and 2
(d)1, 2 and 3

Who among the following represented India at the World Parliament of Religions at Chicago in 1893?

(a) Swami Dayanand Saraswati
(b) Ram Krishna Paramhans
(c) Swami Vivekanand
(d) Raja Ram Mohan Roy

निम्नलिखित में से किसने भारत का प्रतिनिधित्व किया था? 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद?

(क) स्वामी दयानंद सरस्वती
(ख) राम कृष्ण परमहंस
(ग) स्वामी विवेकानंद
(घ) राजा राम मोहन राय

Who among the following famous reformers wrote the books Jnyana Yoga, Karma Yoga, and Raja Yoga?

(a) Swami Vivekananda
(b) Ranade
(c) Raja Ram Mohan Roy
(d) Ramakrishna Paramahansa

निम्नलिखित प्रसिद्ध सुधारकों में से किसने लिखा था? पुस्तकें ज्ञान योग, कर्म योग और राजयोग?

(क) स्वामी विवेकानंद
(ख) रानाडे
(ग) राजा राम मोहन राय
(घ) रामकृष्ण परमहंस

Who was Sharadamani?
(a) Wife of Raja Rammohan Roy
(b) Wife of Ramakrishna Paramahansa
(c) Mother of Vivekananda
(d) Daughter of Keshab Chandra Sen.

शारदामणि कौन थे?
(क) राजा राममोहन राय की पत्नी
(b) रामकृष्ण परमहंस की पत्नी
(ग) विवेकानंद की माता
(घ) केशब चन्द्र सेन की पुत्री।

Dayanand Saraswati founded

(a) Brahmo Samaj

(c) Prarthana Samaj

(b) Arya Samaj

(d) Bahujan Samaj

दयानंद सरस्वती की स्थापना

(क) ब्रह्म समाज

(ग) प्रार्थना समाज

(ख) आर्य समाज

(घ) बहुजन समाज

Swami Vivekanand established Ramakrishna Mission in the year

(a) 1861

(c) 1893

(b) 1891

(d) 1897

स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की वर्ष में

(क) 1861

(ग) 1893

(ख) 1891

(घ) 1897

Who established the 'Arya Samaj' ?

(a) Ranade

(b) Dayanand

(c) Dayananda Saraswati

(d) Swami Vivekananda

आर्य समाज की स्थापना किसने की थी?

(क) रानाडे

(ख) दयानंद

(ग) दयानंद सरस्वती

(घ) स्वामी विवेकानंद

unacademy

'Satyarth Prakash' was written by
(a) Raja Rammohan Roy
(b) Mahatma Gandhi
(c) Swami Vivekanand
(d) Swami Dayanand Saraswati

'सत्यार्थ प्रकाश' किसके द्वारा लिखी गई थी?
(क) राजा राममोहन राय
(ख) महात्मा गांधी
(ग) स्वामी विवेकानंद
(घ) स्वामी दयानंद सरस्वती

Who had said, 'Let's go back to the Vedas'?

(a) Raja Ram Mohan Roy

(b) Dayanand Saraswati

(c) Vivekananda

(d) Ramakrishna Paramhansa

किसने कहा था, 'चलो वेदों की ओर लौटते हैं'?

(क) राजा राम मोहन राय

(ख) दयानंद सरस्वती

(ग) विवेकानंद

(घ) रामकृष्ण परमहंस

Who of the following said, ‘ good Government is no substitute for Self-Government’?

(a) Lokmanya Tilak
(b) Swami Vivekananda
(c) Swami Dayanand
(d) Ravindranath Tagore

निम्नलिखित में से किसने कहा, 'अच्छी सरकार नहीं है? स्वशासन का विकल्प'?

(क) लोकमान्य तिलक (ख) स्वामी विवेकानंद
(ग) स्वामी दयानंद (घ) रविंद्रनाथ टैगोर

Who was the founder of 'Prarthana Samaj'?

(a) Dayanand Saraswati
(b) Raja Ram Mohan Roy
(c) Swami Sahajananda
(d) Mahadev Govind Ranade

प्रार्थना समाज के संस्थापक कौन थे?

(क) दयानंद सरस्वती
(ख) राजा राम मोहन राय
(ग) स्वामी सहजानंद
(घ) महादेव गोविंद रानाडे

Who among the following was the founder of 'Dev Samaj'?

(a) Vallabhbhai Patel
(b) Dadabhai Naoroji
(c) Shiv Narayan Agnihotri
(d) Ramakrishna Paramhansa

निम्नलिखित में से कौन 'देव' के संस्थापक थे? समाज'?

(क) वल्लभ भाई पटेल
(ख) दादाभाई नौरोजी
(ग) शिव नारायण अग्निहोत्री
(घ) रामकृष्ण परमहंस

In 1873 who founded Satya Shodhak Samaj?

(a) Gopal Krishna Gokhale

(b) Jyotiba Phule

(c) Shiv Nath Shastri

(d) None of the above

1873 में सत्य शोधक समाज की स्थापना किसने की थी?

(क) गोपाल कृष्ण गोखले

(ख) ज्योतिबा फुले

(ग) शिव नाथ शास्त्री

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Which one of the following was the author of 'Gulamgiri.'

(a) B.R. Ambedkar

(b) Jyotiba Phule

(c) Mahatma Gandhi

(d) Periyar

निम्नलिखित में से कौन किसके लेखक थे? 'गुलामगिरी।

(क) बी.आर. अम्बेडकर

(ख) ज्योतिबा फुले

(ग) महात्मा गांधी

(घ) पेरियार

Which reformer of Maharashtra is also known as 'Lokahitvadi'?

(a) M.G. Ranade
(c) Pandit Ramabai
(b) Gopal Krishna Gokhale
(d) Gopal Hari Deshmukh

महाराष्ट्र के किस सुधारक को किस नाम से भी जाना जाता है? 'लोकहितवादी'?

(क) एम जी रानाडे
(ग) पंडित रमाबाई
(ख) गोपाल कृष्ण गोखले
(घ) गोपाल हरि देशमुख

Which of the above following was started in opposition to the religious/social ideas of Ram Mohan Roy?

(a) Digdarshan
(c) Samvad Kaumudi
(b) Samachar Chandrika
(d) Bengal Gazette

उपरोक्त में से कौन सा विरोध में शुरू किया गया था? राम मोहन राय के धार्मिक/सामाजिक विचारों के लिए?

(क) दिग्दर्शन
(ग) संवाद कौमुदी
(ख) समाचार चन्द्रिका
(घ) बंगाल राजपत्र

The campaign for widow remarriage in Maharashtra was led by :

(a) Vishnu Parashuram Pandit

(b) B.M. Malabari

(c) Gopal Hari Deshmukh.

(d) Dadabhai Naoroji

महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह के लिए अभियान इसका नेतृत्व किसने किया था?

(क) विष्णु परशुराम पंडित

(ख) बीएम मालाबारी

(ग) गोपाल हरि देशमुख।

(घ) दादाभाई नौरोजी

Who was the founder of Radha Swami Satsang?
(a) Haridas Swami
(b) Shivdyal Sahab
(c) Shiv Narayan Agnihotri
(d) Swami Shraddhananda

राधा स्वामी सत्संग के संस्थापक कौन थे?
(क) हरिदास स्वामी
(ख) शिवदयाल साहब
(ग) शिव नारायण अग्निहोत्री
(घ) स्वामी श्रद्धानन्द

The Greatest Parsi Social reformer of the 19th century was:

(a) Sir Jamshedji

(b) Sir Rustom Behramji

(c) Navalji Tata

(d) Behramji M. Mallabari

19 वीं शताब्दी के सबसे महान पारसी समाज सुधारक था:

(क) सर जमशेद जी

(ख) सर रूस्तम बेहराम जी

(ग) नवलजी टाटा

(घ) बेहरामजी एम मल्लाबाड़ी

In which year 'The Age of Consent Act' was passed?

(a) 1856

(b) 1891

(c) 1881

(d) 1905

किस वर्ष में 'सहमति की आयु अधिनियम' पारित किया गया था?

(क) 1856

(ख) 1891

(ग) 1881

(घ) 1905

Who declared 'Sati' illegal?

(a) Warren Hastings
(b) William Bentinck
(c) Cornwallis
(d) Curzon

'सती' को अवैध किसने घोषित किया?

(क) वारेन हेस्टिंग्स
(ख) विलियम बेंटिक
(ग) कॉर्नवॉलिस
(घ) कर्जन

What did the Act V of 1843 make illegal?

(a) Child marriage

(b) Infanticide

(c) Sati

(d) Slavery

1843 के अधिनियम V ने क्या अवैध बनाया?

(क) बाल विवाह

(ब) शिशु हत्या

(ग) सती

(घ) दासता

What was the minimum marriageable age fi xed under Sharda Act for boys and girls?

(a) 12 and 16

(b) 14 and 18

(c) 15 and 21

(d) 16 and 22

विवाह योग्य न्यूनतम आयु क्या थी?
लड़कों और लड़कियों के लिए शारदा अधिनियम?

(a) 12 और 16

(b) 14 और 18

(c) 15 और 21

(d) 16 और 22

Who founded the 'Theosophical Society'?
(a) Madame H.P. Blavatsky
(b) Raja Ram Mohan Roy
(c) Mahatma Gandhi
(d) Swami Vivekananda

'थियोसोफिकल सोसाइटी' की स्थापना किसने की थी?
(क) मैडम एच.पी. ब्लावाट्स्की
(ख) राजा राम मोहन राय
(ग) महात्मा गांधी
(घ) स्वामी विवेकानंद

Find the correct matches in List I and II in the alternatives given thereunder:

List- I	List- II
1. Prarthana Samaj	A. Raja Ram Mohan Roy
2. Brahmo Samaj	B. Vivekananda
3. Arya Samaj	C. Dayanand Saraswati
4. Ram Krishna Mission	D. Ranade
	E. Ram Krishna Paramhansa

Code :

	1	2	3	4
(a)	A	B	C	D
(b)	B	E	A	C
(c)	D	A	C	E
(d)	D	A	C	B

Which one of the following is correctly matched?
(a) Brahmo Samaj of India -Raja Ram Mohan Roy
(b) Tatvabodhini Sabha - Keshav Chandra Sen
(c) The Satyashodhak - Devendranath Tagore
Samaj
(d) The Servants of India - Gopal Krishna Gokhale
Society

निम्नलिखित में से किसका मिलान सही है?
(क) भारत का ब्रह्म समाज - राजा राम मोहन राय
(ख) तत्वबोधिनी सभा - केशवचन्द्र सेन
(ग) सत्यशोधक - देवेन्द्रनाथ टैगोर
समाज
(घ) भारत के सेवक - गोपाल कृष्ण गोखले
समाज

The Rajamundri Social Reform Association to encourage widow re-marriage was founded in 1871 by

(a) Veeresalingam
(b) K. Ramakrishan Pillai
(c) K.T. Telang
(d) Gopalachariar

विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए राजमुंदरी सामाजिक सुधार संघ की स्थापना 1871 में किसके द्वारा की गई थी?

(क) वीरसलिंगम
(ख) के. रामकृष्ण पिल्लई
(ग) केटी तेलंग
(घ) गोपालाचार्य

Who said that "If God were to tolerate untouchability, I would not recognize him as God at all."

(a) B.R. Ambedkar
(b) Bal Gangadhar Tilak
(c) Lala Lajpat Rai
(d) Mahatma Gandhi

किसने कहा कि "अगर भगवान अस्पृश्यता को सहन करना चाहते हैं, मैं उसे भगवान के रूप में बिल्कुल नहीं पहचानूंगा।

(क) बी.आर. अम्बेडकर
(ख) बाल गंगाधर तिलक
(ग) लाला लाजपत राय
(घ) महात्मा गांधी

The Tarkeshwar Movement of 1924 in Bengal was against:

(a) Corruption in temples
(b) Violence
(c) Arrest of political leaders
(d) Communalism

बंगाल में 1924 का तारकेश्वर आंदोलन क्या था?

विरुद्ध:

(क) मंदिरों में भ्रष्टाचार
(ब) हिंसा
(c) राजनीतिक नेताओं की गिरफ्तारी
(घ) सांप्रदायिकता

unacademy

'Dar-ul-Ulum was established by
(a) Maulana Shibli Numani
(b) Maulavi Hussain Ahmad
(c) Maulavi Abdullah Chakralavi
(d) Maulana Ahmad Riza Khan

'दार-उल-उलम किसके द्वारा स्थापित किया गया था?
(क) मौलाना शिबली नुमानी
(ख) मौलवी हुसैन अहमद
(ग) मौलवी अब्दुल्ला चक्रलवी
(घ) मौलाना अहमद रिजा खान

The Deoband Movement in U.P. (United Province) started in the year

(a) 1900 A.D.

(c) 1885 A.D.

(b) 1888 A.D.

(d) 1866 A.D

उत्तर प्रदेश में देवबंद आंदोलन (संयुक्त प्रांत) साल में हुई शुरुआत

(क) 1900 ई.

(ग) 1885 ई.

(ख) 1888 ई.

(घ) 1866 ई.

Who began the Faraizi Movement?

(a) Haji Shariatullah

(c) Salimullah

(b) Syed Ahmed

(d) M.A. Jinnah

फरैज़ी आंदोलन किसने शुरू किया?

(क) हाजी शरियतुल्लाह

(ग) सलीमुल्ला

(ख) सैयद अहमद

(घ) एमए जिन्ना

unacademy

'Hali System' concerned :
(a) Bonded labour
(b) Exploitation of peasants
(c) Untouchability
(d) Illiteracy

'हाली प्रणाली' से संबंधित:
(क) बंधुआ मजदूर
(ख) किसानों का शोषण
(ग) अस्पृश्यता
(घ) निरक्षरता

Who amongst the following was the founder of 'Indian Association'

(a) Bipin Chandra Pal

(b) Dadabhai Naoroji

(c) Gopal Krishna Gokhale

(d) S.N. Bannerjee

निम्नलिखित में से कौन 'इंडियन' के संस्थापक थे? एसोसिएशन'

(क) बिपिन चन्द्र पाल

(ख) दादाभाई नौरोजी

(ग) गोपाल कृष्ण गोखले

(घ) एस एन बनर्जी

Which among the following year Surendra Nath Bannerjee was eliminated from Indian Civil Services?

(a) 1874 AD
(b) 1877 AD
(c) 1885 AD
(d) 1892 AD

निम्नलिखित में से कौन सा वर्ष सुरेंद्र नाथ बनर्जी को भारतीय सिविल सेवा से हटा दिया गया था?

(क) 1874 ई.
(ख) 1877 ई.
(ग) 1885 ई.
(द) 1892 ई.

Poona Sarvajanik Sabha was founded in:

(a) 1858 by Mahadev Govind Ranade

(b) 1870 by mahadev Govind Ranade

(c) 1870 by Pandita Ramabai Ranade

(d) 1870 by Surendranath Banerjee

पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना कहाँ हुई थी?

(क) महादेव गोविंद रानाडे द्वारा 1858

(b) महादेव गोविंद रानाडे द्वारा 1870

(c) 1870 पंडिता रमाबाई रानाडे द्वारा

(घ) सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी द्वारा 1870

unacademy

Which of the following pairs do not match? Find your answer with the help of given code:

1. British India Society - London
2. East India Association - Calcutta
3. National India Association - London
4. Indian Association - Bombay

Code :

(a) 1 and 2
(b) 3 and 4
(c) 1 and 3
(d) 2 and 4

unacademy

Consider the following pairs:

1. Radhakanta Deb - First President of the British Indian Association
2. Gazulu Lakshminarasu Chetty - Founder of the Madras Mahajana Sabha
3. Surendranath Banerjee - Founder of the Indian Association

Which of the above pairs is/are correctly matched?

(a) 1 only
(b) 1 and 3 only
(c) 2 and 3 only
(d) 1, 2 and 3

Who was the first president of 'British Indian Association'?

(a) Surrendra Nath Banerjee
(b) Gopal Krishna Gokhale
(c) Radha Kant Dev
(d) Anand Mohan Bose

'ब्रिटिश इंडियन' के पहले राष्ट्रपति कौन थे? एसोसिएशन'?

(क) सुरेंद्र नाथ बनर्जी
(ख) गोपाल कृष्ण गोखले
(ग) राधा कांत देव
(घ) आनंद मोहन बोस

Match the List-I with List-II:

A. Indian League	1. Shishir Kumar Ghosh
B. Indian Association	2. Anand Mohan Bose
C. India National Liberal Federation	3. Syyad Ahmad Khan
D. United Indian Patriotic Association	4. Surendranath Bannerjee

Code :

A	B	C	D

(a) 1 3 4 2

(b) 2 1 4 3

(c) 3 2 4 1

(d) 1 2 4 3

Match the List-I with List-II and select the correct answer using codes given below :

List-I List-II

(a) Indian Association 1. Anand Charlu

(b) Poona Sarvjanik Sabha 2. Surendra Nath Benerji

(c) Bombay Presidency Association 3. Mahadev Govind Ranade

(d) Madras Mahajan Sabha 4. Pherozshah Mehta

Codes :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	2	4	3	1
(c)	3	2	4	1
(d)	3	4	2	1

M.C. Setalvad, B.N. Rao and Alladi Krishnaswamy Iyer were distinguished members of the

(A) Swaraj Party

(B) All India National Liberal Federation

(C) Madras Labour Union

(D) Servants of India Society

सीतलवाड़, बीएन राव और अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर इसके विशिष्ट सदस्य थे।

(अ) स्वराज पार्टी

(ब) ऑल इंडिया नेशनल लिबरल फेडरेशन

(स) मद्रास लेबर यूनियन

(द) सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी

unacademy

Who among the following founded the Nirankari Movement?

निम्नलिखित में से किसने निरंकारी आंदोलन की स्थापना की?

- A. Baba Dyal Das
- B. Baba Ram Singh
- Ç. Mahmud Hasan
- D. Jagat Mithra

unacademy

Kuka Movement was organized by-

कुका आंदोलन का आयोजन किया गया-

- **A.**Guru Ram Das
- **B.**Guru Nanak
- **C.**Guru Ram Singh
- **D.**Guru Gobind Singh